महिला हॉकी एशिया कप 2025

भारत ने सुपर 4 में दर्ज की धमाकेदार जीत

वैष्णवी, संगीता और रुतुजा के गोलों से भारतीय टीम ने बढ़त बरकरार रखी

- मैच के दूसरे ही मिनट में वैष्णवी फाल्के ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई.
- रुतुजा दादासो पिसाल और संगीता कुमारी की जोड़तोड़ से 2-0 की बढ़त बनी.

चेन्नई, 10 सितम्बर. भारतीय महिला हॉकी टीम ने बुधवार को गोंगशू नहर स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले में कोरिया को 4-2 से हराकर सुपर 4 चरण की शानदार शुरुआत की. इस जीत के साथ ही भारत ने टूर्नामेंट में अपनी अजेय बढ़त बरकरार रखी है.

मैच के दूसरे ही मिनट में, वैष्णवी फाल्के ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई. उदिता के शॉट को कोरियाई गोलकीपर ने तो बचा लिया था, लेकिन वैष्णवी गेंद पर झपट पड़ी और रिबाउंड पर गोल कर दिया.

हाफ टाइम तक भारत 1-0 की बढ़त पर था. दूसरे हाफ की शुरुआत में, भारत ने 32वें मिनट में अपनी बढ़त को दोगुना किया. रुतुजा दादासो पिसाल ने गेंद को सर्कल के अंदर से संगीता कुमारी की ओर पास किया, जिन्होंने आसानी से टैप-इन कर गोल किया.

इसके एक मिनट से भी कम समय बाद, कोरिया की किम युजिन ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर अपनी टीम को वापसी दिलाई. भारत ने जल्द ही अपनी दो गोल की बढ़त बहाल कर ली.

> जब लालरेमसियामी ने उदिता से मिले पास पर गेंद को कोरियाई गोलकीपर के पास से निकाल दिया, जो गेंद को छूने के बावजूद रोक नहीं पाईं .हालांकि, पिछले साल की उपविजेता कोरिया ने भारतीय टीम पर दबाव बनाए रखा . 53वें मिनट में युजिन ने एक और पेनल्टी कॉर्नर से अपना दूसरा गोल किया, जिससे स्कोर 3-2 हो गया . मैच के अंतिम मिनट में रुतुजा ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की जीत सुनिश्चित की और स्कोर 4-2 कर दिया .अब भारत का अगला मुकाबला गुरुवार को चीन से होगा .

विश्व मुक्केबाजी : भारत की नूपुर को मिला पहला पदक

- 80 किग्रा वर्ग में सेमीफाइनल में प्रवेश कर भारत को जीत दिलाई
- उज़्बेकिस्तान की ओल्टिनोय सोतिम्बोएवा को 4-1 से हराया

लिवरपूल, 10 सितम्बर. भारतीय मुक्केबाज नूपुर ने बुधवार को लिवरपूल में चल रही विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के 80 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर भारत के लिए पहला पदक पक्का कर लिया. क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उन्होंने उज़्बेकिस्तान की ओल्टिनोय सोतिम्बोएवा को 4-1 से हराया.

यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों को अत्यधिक पकड़ के लिए एक-एक अंक का दंड भी मिला. नूपुर ने शुरुआती दौर में बढ़त बनाई, लेकिन उनकी प्रतिद्वंद्वी, जो पूर्व विश्व युवा रजत पदक विजेता हैं, ने दूसरे दौर में वापसी की. हालांकि, भारतीय मुक्केबाज ने निर्णायक तीसरे और अंतिम दौर में अपने आक्रमण को तेज करते हुए जीत दर्ज की. इससे पहले मंगलवार रात, तीन अन्य भारतीय मुक्केबाजों ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी. इनमें मीनाक्षी (48 किग्रा) ने चीन की वांग क्यूपिंग को 5-0 से, जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (50 किग्रा) ने इंग्लैंड के रीस रीडशॉ को 5-0 से और अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) ने डोमिनिकन गणराज्य के पीटर यनोआ फर्नांडो डी जीसस को हराया. वहीं, जुगनू (85 किग्रा) मंगलवार रात हारने वाले एकमात्र भारतीय मुक्केबाज रहे, जिन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल में स्कॉटलैंड के रॉबर्ट विलियम मैकनल्टी से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा.

दिलीप ट्रॉफी फाइनल : इंडिया 'ए' चयन से फीका

मुख्य खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में युवा खिलाड़ियों पर सबकी नजरें

बेंगलुरु, 10 सितम्बर. क्रिकेट की प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिता दिलीप ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला गुरुवार से शुरू होने जा रहा है, लेकिन इससे पहले ही कई प्रमुख खिलाड़ियों के अपनी-अपनी टीम से बाहर होने के कारण इस मैच की चमक कुछ कम हो गई है.

साउथ जोन और सेंट्रल जोन के बीच होने वाले इस खिताबी मुकाबले में दोनों टीमों के कई महत्वपूर्ण खिलाड़ी इंडिया ए टीम में चुने जाने के कारण उपलब्ध नहीं होंगे. साउथ जोन को अपने दो प्रमुख बल्लेबाजों एन. जगदीसन और देवदत्त पडिक्कल के बिना ही मैदान में उतरना पड़ेगा. इन दोनों को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए इंडिया ए टीम में शामिल किया गया है. जगदीसन ने सेमीफाइनल में शानदार 197 रन और नाबाद 52 रनों की पारियां खेलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी. उनकी अनुपस्थिति टीम के लिए एक बड़ा झटका है. इसी तरह, सेंट्रल जोन को भी अपने प्रमुख खिलाड़ियों की कमी खलेगी. तेज गेंदबाज खलील अहमद और यश ठाकुर, और ऑलराउंडर हर्ष दुबे भी इंडिया ए की जिम्मेदारियों के कारण इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं. स्पिनर मानव सुथार भी टीम के साथ नहीं होंगे. इन खिलाड़ियों के बाहर होने से दोनों टीमों की ताकत कम हो गई है, जिससे फाइनल का रोमांच कुछ प्रभावित हो सकता है. साउथ जोन के कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने खिलाड़ियों की अनुपस्थिति पर खुशी जाहिर की.

हांगकांग ओपन : विक्टर एक्सेलसेन पहले ही दौर में बाहर

हांगकांग, 10 सितम्बर. छह महीने बाद चोट से उबरकर कोर्ट पर लौटे दो बार के ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसेन को हांगकांग ओपन के पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा.

डेनमार्क के इस दिग्गज खिलाड़ी को जापान के कोदाई नाराओका ने सीधे गेमों में 21-15, 21-7 से हरा दिया. यह मैच सिर्फ 37 मिनट तक चला. पूर्व विश्व नंबर 1 एक्सेलसेन की यह वापसी काफी निराशाजनक रही. अपनी हार के बाद वह काफी भावुक दिखे. उन्होंने कहा कि वापस कोर्ट में आकर अच्छा लगा, लेकिन काश मैं इसका और अधिक आनंद ले पाता.

सीएएफए नेशंस कप : जमील की रणनीति से भारत को कांस्य

चेन्नई, 10 सितम्बर. भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के नए मुख्य कोच खालीद जमील ने कम संसाधनों के बावजूद भारत को सीएएफए नेशंस कप 2025 में कांस्य पदक दिलाकर सभी को चौंका दिया. भारत की टीम टूर्नामेंट में तीसरी सबसे कम रैंक वाली थी, फिर भी जमील की शांत और संतुलित रणनीति ने टीम को सफलता दिलाई.

सोमवार को तीसरे स्थान के मुकाबले में भारत ने ओमान को पेनल्टी शूटआउट में हराया. निर्णायक बचाव गुरप्रीत सिंह संधू ने किया और टीम ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की. जीत के बाद खिलाड़ी और स्टाफ जश्न मनाते रहे, लेकिन जमील हमेशा की तरह संयमित और शांत दिखे. जमील 13 अगस्त को टीम के मुख्य कोच बने. उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती थी कमजोर और अधूरी टीम को तैयार करना. मोहन बागान क्लब ने सीएएफए नेशंस कप के लिए अपने राष्ट्रीय खिलाड़ियों को भेजने से इनकार किया, जिससे टीम की ताकत कम हो गई. जमील ने इस स्थिति को चुनौती के रूप में स्वीकार किया.

भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर

- विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप : पुरुष तीरंदाज पदक से चूके

ग्वांगजू (कोरिया), 10 सितम्बर.कोरिया में चल रही विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय रिकर्व महिला टीम पदक हासिल करने में विफल रही और कांस्य पदक के मुकाबले में हारकर चौथे स्थान पर रही. वहीं, भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाज भी व्यक्तिगत मुकाबलों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पदक की दौड़ से बाहर हो गए.

दीपा कुमारी, अंकिता भगत और 15 वर्षीय गाथा खाड़के की भारतीय महिला रिकर्व टीम को कांस्य पदक के मैच में शीर्ष वरीयता प्राप्त और ओलंपिक चैंपियन कोरिया से 3-5 (51-54, 57-57, 57-54, 56-58) से हार का सामना करना पड़ा. मैच की शुरुआत में मेजबान टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं था, लेकिन भारतीय टीम इसका फायदा नहीं उठा पाई. किशोरी गाथा ने पहले सेट में एक आठ और एक छह का खराब शॉट लगाया. भारतीय टीम ने दूसरे सेट में कुछ जुझारूपन दिखाया और बराबरी पर रही, जबकि तीसरे सेट में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन कर मैच में बराबरी कर ली. हालांकि, चौथे सेट में कोरियाई खिलाड़ियों ने दबाव में बेहतर प्रदर्शन करते हुए मैच जीत लिया.

टेबल टेनिस : साथियान, हरमीत, पायस क्वार्टर फाइनल में

- यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग चैंपियनशिप में शीर्ष खिलाड़ी आगे बढ़े
- पुरुष एकल में जी. साथियान, हरमीत देसाई और पायस जैन क्वार्टर फाइनल में पहुंचे.
- हरमीत देसाई और दिया चितले को पांच गेम तक संघर्ष करना पड़ा.
- चौथी वरीयता प्राप्त रोनित भंजा और वडोदरा की अनुषा कुतुंबले टूर्नामेंट से बाहर.

चेन्नई, 10 सितम्बर. यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में मंगलवार को हुए मुकाबलों में देश के शीर्ष खिलाड़ियों ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है. पुरुष एकल में, जी. साथियान, हरमीत देसाई और पायस जैन ने अपने-अपने मैच जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया.हालांकि, कुछ खिलाड़ियों को जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा. हरमीत देसाई को तरुण शनमुगम के खिलाफ पांच गेम तक जूझना पड़ा, जबकि एसएफआर स्नेहित ने भी प्रियनुज भट्टाचार्य को 3-2 से हराया. वहीं, चौथी वरीयता प्राप्त रोनित भंजा टूर्नामेंट से बाहर हो गए.

महिला एकल में भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिले. शीर्ष वरीय दिया चितले को असम की त्रिशा गोगोई के खिलाफ पांच गेम तक संघर्ष करना पड़ा. इसी तरह, यशस्विनी घोरपड़े और सुतीर्था मुखर्जी ने भी पूरे पांच गेम के बाद जीत हासिल की. हालांकि, वडोदरा चैंपियन अनुषा कुतुंबले रीथ ऋष्या से हारकर बाहर हो गईं.

अंडर-19 लड़कियों के एकल में भी पसंदीदा खिलाड़ियों ने अपना प्रदर्शन जारी रखा. दिव्यांशी भौमिक, जेनिफर वर्गीस, अनन्या मुरलीधरन और एम. हंसिनी ने अंतिम आठ में जगह बनाई, जबकि महाराष्ट्र की नैशा रेवास्कर ने सुकृति शर्मा को 3-2 से मात दी.

युवा खिलाड़ियों का दबदबा

अंडर-19 लड़कों के एकल में, बंगाल के ओइशिक घोष को छोड़कर अन्य सभी शीर्ष खिलाड़ियों ने आसानी से क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया . ओइशिक ने कर्नाटक के अथर्व नवारंगे को 0-2 से पिछड़ने के बाद 3-2 से हराया . शीर्ष वरीय पी.बी. अभिनंद, कुशल चोपड़ा, पुनीत बिस्वास और एम. बालमुरुगन ने भी जीत दर्ज की .

शीर्ष खिलाड़ी ने कहा- सार्वजनिक जजमेंट और आलोचना के डर से खिलाड़ी अपनी कमजोरी नहीं दिखाते

एलीट खिलाड़ी मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर नहीं बोलते : एम्बाप्पे

- फुटबॉल में जुनून ने उन्हें निराशा से बचाया
- जीत पर लोग लगभग अछूत मानते हैं, हार पर तुरंत ट्रोल किया जाता है
- निजी अपेक्षाओं और सार्वजनिक दबाव के बीच पतली रेखा होती है

पेरिस, 10 सितम्बर. फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने कहा है कि शीर्ष स्तर के खिलाड़ी अभी भी मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुलकर बात करने से कतराते हैं, क्योंकि उन्हें लोगों द्वारा जज किए जाने का डर रहता है. उन्होंने यह भी कहा कि खेल के प्रति उनके जुनून ने ही उन्हें फुटबॉल से निराश होने से बचा रखा है.

26 साल के इस फॉरवर्ड ने खुलकर उन दबावों के बारे में बात की, जिनका वे सामना करते हैं, और इस धारणा पर भी कि एलीट खिलाड़ी अपनी कमजोरी नहीं दिखा सकते.जब उनसे पूछा गया कि चार बार के टूर डी फ्रांस चैंपियन तादेज पोगार जैसे साइकिलिस्ट भी प्रतिस्पर्धा के दौरान तनाव के क्षणों को स्वीकार करते हैं, तो एम्बाप्पे ने कहा, यह एक जटिल बात है, क्योंकि लोग इसे समझ नहीं पाते हैं. आपको यह दिखाना नहीं चाहिए. उन्होंने आगे कहा, अगर उसने शुरुआत में ऐसा कहा होता, तो उसे बुरी तरह ट्रोल किया जाता. लेकिन जब आप जीतते हैं, तो आप लगभग अछूत हो जाते हैं.

अगर आप कोई मैच हार जाते हैं और कहते हैं कि आप थके हुए हैं, तो लोग कहते हैं कि यह इसलिए है क्योंकि आप खराब खेले. भले ही आप पहले से ऐसा महसूस कर रहे हों.रियल मैड्रिड के इस स्ट्राइकर, जिन्होंने यूक्रेन और आइसलैंड के खिलाफ दो विश्व कप क्वालीफाइंग जीत में दो गोल किए, ने कहा कि वे खुद से सबसे ज्यादा उम्मीदें रखते हैं. मैंने कभी हार को स्वीकार नहीं किया.

हांगकांग ओपन : पीवी सिंधु पहले दौर में बाहर

हांगकांग, 10 सितम्बर. भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सफर पहले ही दिन खत्म हो गया. बुधवार को खेले गए महिला एकल के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में उन्हें डेनमार्क की गैर-वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लाइन क्रिस्टोफरसेन से तीन गेम के कड़े मुकाबले में 21-15, 16-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा.

लगभग एक घंटे तक चले इस मैच में सिंधु ने पहला गेम आसानी से जीत लिया था, लेकिन दूसरे गेम में 13-12 की बढ़त के बाद वह लय खो बैठीं. निर्णायक तीसरे गेम में मुकाबला 19-19 से बराबर था, लेकिन डेनिश खिलाड़ी ने लगातार दो अंक हासिल कर सिंधु को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया. यह क्रिस्टोफरसेन के खिलाफ पांच मुकाबलों में सिंधु की पहली हार है. उनकी यह हार ऐसे समय में हुई है जब वह पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर फॉर्म में वापसी के संकेत दे रही थीं.

पुरुष शटलरों का जलवा

जहां सिंधु को निराशा हाथ लगी, वहीं भारतीय पुरुष शटलरों ने शानदार प्रदर्शन किया. एच.एस. प्रणय ने बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के 14वें नंबर के चीनी खिलाड़ी लू गुआंग झू को 44 मिनट में 21-17, 21-14 से हराया .लक्ष्य सेन ने भी कड़े संघर्ष के बाद जीत हासिल की . उन्होंने 22-20, 16-21, 21-15 के स्कोर से जीत दर्ज कर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई .